Page :
Date : / /

राजनीति विज्ञान

कक्षा - 12

"एक दल के प्रभुत्व का दौर"

श्रीमती इन्दु बाला वर्मा
'प्रवक्ता'
रा० इ० का० मानले
पिथौरागढ़।

Page :
Date : / /

एक दल के प्रभुत्व का दौर

- स्वतंत्र भारत का जन्म अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में हुआ था। देश के समक्ष प्रारम्भ से ही राष्ट्र-निर्माण की चुनौती थी।
- भारत के राष्ट्र-निर्माण के साथ-साथ लोकतंत्र स्थापित करने की चुनौती का सामना करना पड़ा।
- हमारे स्वतंत्रता संघर्ष की प्रतिबद्धता लोकतंत्र के साथ-साथ होने के कारण हमने लोकतंत्र की स्थापना का मार्ग चुना।
- हमारे देश के संविधान का निर्माण 26 नवम्बर 1949 को हुआ था तथा संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।
- जनवरी 1950 में देश के चुनाव का आयोग का गठन किया गया जिसका कार्य शीघ्र प्रथम आम चुनाव कराना था। 'सुकुमार सेन' प्रथम चुनाव आयुक्त बने।
- चुनाव कराने के लिए चुनाव क्षेत्रों का सीमांकन व मतदाता सूची का निर्माण किया जाना आवश्यक था इन कार्यों में अधिक समय लगा तथा 40 लाख महिलाओं के नाम दर्ज होने से रह गए।
- प्रथम आम चुनाव अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 तक हुए तथा ईसे 1952 का आम चुनाव भी कहा जाता है। क्योंकि देश के अधिकतर भागों में चुनाव जनवरी-फरवरी 1952 में ही हुआ था।
- भारत ने सम्पूर्ण विश्व को यह दिखा दिया कि लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव निर्धनता एवं अशिक्षा के तातावरण में भी कराये जा सकते हैं।
- प्रथम आम चुनाव में कॉंग्रेस को 489 में से 364 सीटों में विजय मिली पं० जवाहर लाल नेहरू कॉंग्रेस के सबसे बड़े व करिश्माई लोकप्रिय नेता थे।
- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी प्रथम आम चुनाव में दूसरे स्थान पर रही और उसे 16 सीटें प्राप्त हुई।
- दूसरा आम चुनाव 1957 में हुआ जिसमें कॉंग्रेस को 494 में से 371 तथा तीसरे आम चुनाव 1962 में 494 में से 361 सीटें प्राप्त हुई।
- हमारे देश में चुनाव में "सर्वाधिक वोट पाने वाले की जीत" की तरीके को अपनाया

गया।

- भारत की तरह विश्व के कई अन्य देश। एक पार्टी प्रभुत्वों के दौर से गुजरे परन्तु भारत में एक पार्टी के प्रभुत्व लोकतांत्रिक स्थितियों में कायम हुआ जो इसे अन्य देशों से अलग करता है।
- चुनावी प्रतिस्पर्धाओं के प्रथम दशक में कॉंग्रेस ने शासक दल के साथ-2 विपक्ष की भूमिका का निर्वाह किया इस कारण इस कालखण्ड को कॉंग्रेस प्रणाली कहा जाता है।
- सन् 1957 के आम चुनाव में केरल में कम्यूनिस्ट पार्टी की सरकार बनी। सम्पूर्ण विश्व में यह पहला अवसर था जब लोकतांत्रिक चुनावों के माध्यम से एक कम्यूनिस्ट पार्टी की सरकार बनी।

लोकतंत्र :- शासन की वह प्रणाली जिसमें जनता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपने प्रतिनिधियों द्वारा सम्पूर्ण जनता के हित को दृष्टि में रखकर शासन करती है तो इसे लोकतंत्र कहा जाता है।

इलैक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (E.V.M) - चुनाव आयोग ने 1990 के दशक के अन्त में इसका प्रयोग प्रारम्भ किया और 2004 में सम्पूर्ण देश में इसका प्रयोग शुरु हो गया।

राजनीतिक दल :- लोगों का समूह जो चुनाव लड़ने एवं सरकार में राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्य करता है।

सार्वभौम मताधिकार :- सभी वयस्क (18वर्ष से ऊपर) को वोट देने का अधिकार है चाहे उनकी सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो।

इतिहास में सबसे बड़ा जुआ :- प्रथम आम चुनाव जो अपने आप में एक बड़ा जोखिम भरा काम था।

मौलाना अबुल कलाम आजाद (1888-1958) स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षामंत्री,
राजकुमारी अमृत कौर (1889-1964) स्वतंत्र भारत की प्रथम स्वास्थ्य मंत्री,
पं० जवाहर लाल नेहरू (1889-1964) भारत के प्रथम प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री,
रफी अहमद किदवई (1894-1954) भारत के प्रथम संचार मंत्री,
सी० राजगोपालाचारि (1878-1972) स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल।

पहले तीन चुनावों में कॉंग्रेस का प्रभुत्व :- भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस का लोकप्रचलित नाम कॉंग्रेस पार्टी था, और इस पार्टी की स्वाधीनता संग्राम की विरासत हासिल थी। इस पार्टी में खुद "पं० जवाहर लाल नेहरू" थे। जो भारतीय राजनीति के सबसे करिश्माई नेता थे। 1957 में केरल में भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी की अगुवाई में एक गठबंधन सरकार बनी, कांग्रेस को लोकसभा के पहले चुनाव में कुल 489 सीटों में से 364 सीटें जीती। लोकसभा चुनाव के साथ-2 विधानसभा चुनाव भी कराये गये कॉंग्रेस को विधानसभा में भी बड़ी जीत हासिल हुई। त्रावणकोर, कोचीन, मद्रास और उड़ीसा को छोड़कर सभी राज्यों में कांग्रेस ने अधिकतर सीटों पर जीत दर्ज की। दूसरा आम-चुनाव 1957 और तीसरा 1962 में हुआ।

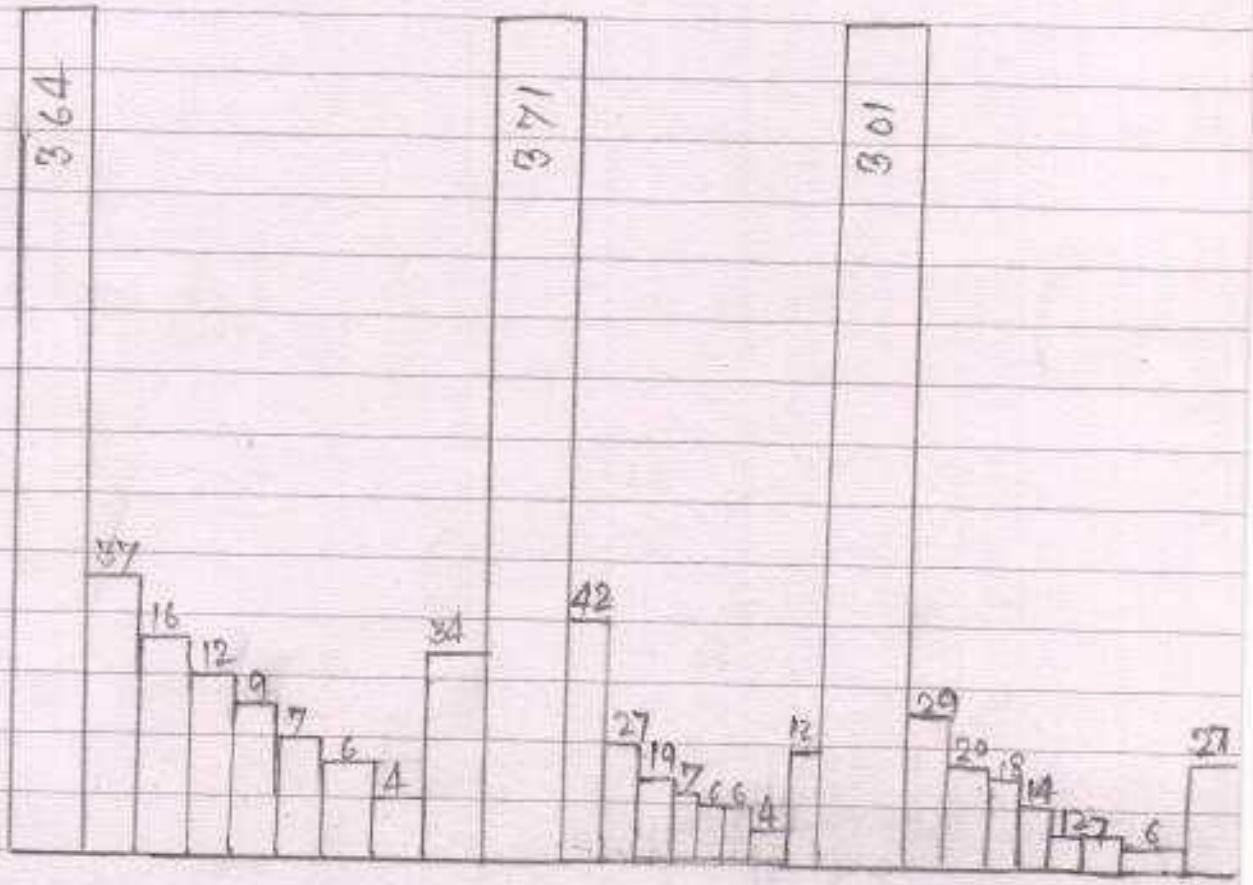

पहला आम-चुनाव 1952 | दूसरा आम-चुनाव 1957 | तीसरा आम-चुनाव 1962

Page :
Date : / /

केरल में कम्यूनिस्टों की जीत :- मार्च 1957 के विधानसभा चुनाव में केरल में कम्यूनिस्ट पार्टी को सबसे ज्यादा सीटें मिली उसे 126 में से 60 सीटें हासिल हुई। पाँच स्वतंत्र उम्मीदवारों का समर्थन भी इस पार्टी को मिला। राज्यपाल ने इस दल के नेता ई०एम०एस० नम्बूदरीपाद को सरकार बनाने का न्योता दिया।

केरल में सत्ता से बेदखल होने पर कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ 'मुक्ति संघर्ष' छेड़ दिया। 1959 में केन्द्र की कांग्रेस सरकार ने अनुच्छेद 356 के अन्तर्गत केरल की कम्यूनिस्ट सरकार को बर्खास्त कर दिया।

मतदान के बदलते तरीके :- वर्तमान में मतदान के लिए इलेक्ट्रानिक वोटिंग-मशीन का प्रयोग होता है। पहले आम चुनाव में प्रत्येक मतदान केन्द्र में उम्मीदवार के लिए एक मतपेटी रखी गयी जिस पर उसका चुनाव-चिह्न होता था इसमें 20 लाख स्टील के बक्सों का प्रयोग हुआ बाद में। मतपत्र पर उम्मीदवार का नाम और चुनाव चिह्न अंकित किया जाने लगा। यह प्रक्रिया 40 वर्ष तक रही। 2004 में ई० वी० एम० का प्रयोग पूरे देश में हुआ।

कांग्रेस :- स्थापना - 1885 ई० - ए० ओ० ह्यूम द्वारा।
चुनाव चिह्न - 1952 से 1971 तक, दो बैलों की जोड़ी।
1971 से इन्दिरा गांधी द्वारा हाथ चिह्न दिया गया।

शुरू में यह पार्टी नवशिक्षित कामकाजी एवं व्यापारिक वर्गों का हितसमूह थी 20वीं शताब्दी में इसने जन-आन्दोलन का रूप ले लिया। कांग्रेस एक मंच की तरह थी जिस पर अनेक समूह हित एवं राजनीतिक दल एकत्रित होकर राष्ट्रीय आन्दोलन में भाग लेते थे।

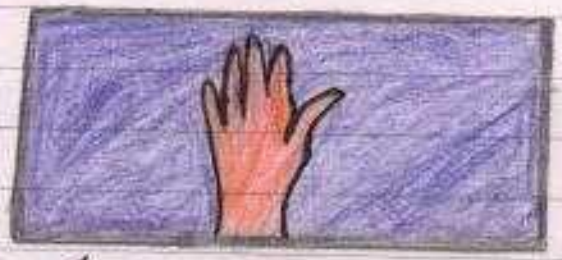

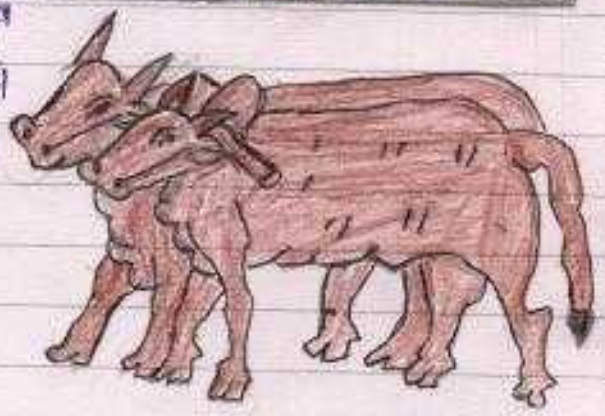

Page :
Date : / /

P.R.I

इंस्टीट्यूशनल रिवोल्यूशनरी पार्टी (P.R.I) का मैक्सिको में 60 सालों तक शासन रहा। इसकी स्थापना 1929 में "प्लूतार्को इलियास-कैलस" द्वारा की गई तब इसका नाम नेशनल रिवोल्यूशनरी पार्टी कहा जाता था। पी० आर० आई० सैनिक, नेता, मजदूर, किसान संगठन अनेक राजनीतिक दलों सिमत कई किस्म के हितों का संगठन था। सन् 2000 के राष्ट्रपति चुनाव में यह पार्टी हारी।

स्वतंत्र पार्टी

स्थापना :- 1959 - सी० राजगोपालाचारी
चुनाव चिह्न - स्टार (तारा)
प्रमुख नेता - सी० राजगोपालाचारी, के० एम० मुंशी, एन० जी० रंगा और मीनू मसानी थे।

यह निजी क्षेत्र को खुली छूट देने के पक्ष में थी। जमीन की हदबन्दी, सहकारी खेती और खाद्यान्न के व्यापार पर सरकारी नियंत्रण के विरुद्ध थी। युत निरपेक्षता की नीति और सोवियत संघ से रिश्ते को गलत तथा अमेरिका के पक्ष में थी। जमींदार और राजा-महाराजा इस पार्टी से आकर्षित हुए।

सोशलिस्ट पार्टी

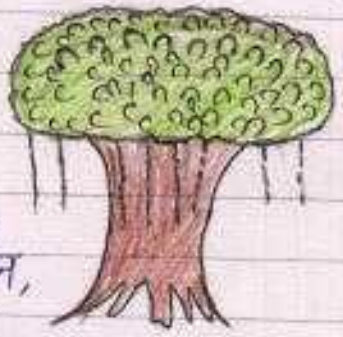

चुनाव चिह्न - बरगद का पेड़।
स्थापना - 1948 आचार्य नरेन्द्र देव
प्रमुख नेता - जयप्रकाश नारायण, अच्युत पटवर्धन, अशोक मेहता, आचार्य नरेन्द्र देव, राम मनोहर लोहिया और एस० एम० जोशी।

पूँजीपतियों और जमींदारों का पक्ष लेने, मजदूरों और किसानों की उपेक्षा करने के कारण ये कांग्रेस की आलोचना करते थे। 1948 में कांग्रेस से अलग होकर इन्होंने सोशलिस्ट पार्टी बनायी।

कम्यूनिस्ट पार्टी आफ इण्डिया

स्थापना - 1925, ए० के० गोपालन,

चुनाव चिह्न - दराती व गेहूँ की बाली।

प्रमुख नेता - ए० के० गोपालन, एस० ए० डांगे, नम्बूरीपाद, पी० सी० जोशी, अजय घोष, और पी० सुंदरैया।

यह धर्मनिरपेक्षता का समर्थन करती है। 1935 से कांग्रेस के साथ काम किया और दिसम्बर 1941 में कांग्रेस से अलग हुई। पहले आम चुनाव में 16 सीटें जीतकर सबसे बड़ी विपक्ष पार्टी बनी। बिहार, केरल, आन्ध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में इसे ज्यादा समर्थन मिला।

भारतीय जन संघ

स्थापना - 1951 श्यामा प्रसाद मुखर्जी

चुनाव चिह्न - दीया और बाती,

प्रमुख नेता - श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीन दयाल उपाध्याय, बलराज मधोक।

यह पार्टी एक देश, एक संस्कृति और एक राष्ट्र के विचार का समर्थन करती है। भारत और पाकिस्तान को एक करके अखण्ड भारत बनाना चाहती है। 1952 के लोकसभा चुनाव में 03 सीटें व 57 के चुनाव में 04 सीटें जीती, इसे हिन्दी भाषी राज्यों राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के शहरी इलाकों का समर्थन मिला।

बाबा साहब भीमराव राम जी अंबेडकर (1891 - 1956)

जाति विरोधी आन्दोलन के नेता इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी व शिड्यूल्ड कास्टस फेडरेशन के संस्थापक।

Page :
Date : / /

महत्वपूर्ण प्रश्न

1- भारत के किस राज्य में लोकतान्त्रिक रूप से निर्वाचित साम्यवादी सरकार प्रथम बार सत्ता में आयी। (2009)

2- देश का पहला आम चुनाव ---- वर्ष में हुआ तथा भारत के पहले मुख्य-चुनाव आयुक्त ---- थे। (2010)

3- 1969 के राष्ट्रपति चुनाव में एक उम्मीदवार वी० वी० गिरी थे दूसरे उम्मीदवार का नाम बताएँ। (2010)

4- इन्दिरा गाँधी ने कांग्रेस प्रणाली को पुनर्स्थापित किया लेकिन कांग्रेस प्रणाली की प्रकृति को बदल दिया। स्पष्ट करें। (2010)

5- भारत का वह कौन सा राज्य है जहाँ पर सर्वप्रथम सार्वभौम वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव करवाये गये थे। (2012)

6- मेल बैठाएँ — 2012

क- मीनू मसानी	(i) भारतीय जनसंघ
ख- श्यामाप्रसाद मुखर्जी	(ii) स्वतन्त्र पार्टी
ग- अशोक मेहता	(iii) प्रजा सोशलिस्ट पार्टी
घ- एस० ए० डांगे	(iv) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

7- भारतीय जनसंघ की स्थापना कब हुई थी ? इसके संस्थापक अध्यक्ष कौन थे। (2013)

8- भारत में 1977 के चुनाव के बाद किसे प्रधानमंत्री बनाया गया ? (2013)

9- कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापक कौन थे ? (2014-2016)

10- पहले आम चुनाव में कौन सी पार्टी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के रूप में उभरी ? (2014)

11- भारत के किस भाग में सर्वप्रथम सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव हुए ? (2014)

12- मतदान के बदलते तरीके पर एक टिप्पणी लिखिए ? (2015)

13- भारतीय राजनीति में स्वतंत्र पार्टी की क्या भूमिका थी ? (2015)

14- गरीबी हटाओ का नारा किसने दिया ? (2015)

Page :
Date : / /

15. ए० के० गोपालन व एस० ए० डांगे किस पार्टी से सम्बन्धित थे? (2015)
16. राजग का पूरा नाम लिखिए? (2016)
17. एकल पार्टी प्रभुत्व की प्रणाली का भारतीय राजनीति पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए? (2016)
18. 1971 के लोकसभा चुनाव के बाद इन्दिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस प्रणाली में क्या परिवर्तन आया? (2017)
19. भारत में प्रथम आम चुनाव किस वर्ष हुए? (2017)
20. नेहरू मंत्रीमंडल के उस मंत्री का नाम बताइए जिन्होंने रेल मंत्री के रूप में एक बड़ी रेलदुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए इस्तीफा दिया था? (2014)

श्रीमती इन्दु बाला वर्मा
प्रवक्ता
राजनीति विज्ञान
रा० इ० का० - गानले
मुनाकोट, पिथौरागढ़।